हिंदी

(301)

मूल्यांकन पत्र - I

(पाठ 1 से 12 तक)

कुल अंक : 25

टिप्पणी:

(i) सभी प्रश्नों के उत्तर देने अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं।

(ii) उत्तर पुस्तिका के प्रथम पृष्ठ पर ऊपर की ओर अपना नाम, अनुक्रमांक, अध्ययन केंद्र का नाम, विषय आदि स्पष्ट शब्दों में लिखिए।

1. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर लगभग 60-80 शब्दों में लिखिए:

(क) 'कविता कैसे पढ़ें' पाठ के आधार पर कविता के महत्व का उल्लेख कीजिए। आपके जीवन में विभिन्न अवसरों पर कविता क्या भूमिका निभाती है—यह भी लिखिए।

(ख) रैदास के काव्य में उनके व्यक्तित्व के किन गुणों की अभिव्यक्ति हुई है? पठित पाठ के आधार पर उल्लेख कीजिए। समाज के विकास में ये गुण अत्यंत सहायक हो सकते है। इस विषय पर अपने विचार लिखिए।

(ग) मीराबाई के पद 'भाई री म्हाँ लियाँ गोविन्दां मोल..........में मीरा के व्यक्तित्व की किस मुख्य विशेषता का बोध होता है? आज नारी की प्रगति के लिए इस विशेषता की क्या प्रासंगिकता है? स्पष्ट कीजिए।

2. (क) निम्नलिखित काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए—

जो रहीम ओछो बढ़ै, तौ अति ही इतराय।

प्यादे सों फ़रजी भयो, टेढ़ो—टेढ़ो जाय।।

जो रहीम गति दीप की, कुल कपूत गति सोय।

बारे उजियारो लगै, बढ़े अँधेरा होय।।

वे रहीम नर धन्य हैं, पर उपकारी अंग।।

बाँटनवारे के लगै, ज्यों मेंहदी को रंग।।

अथवा

(ख) निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

शरीर के साथ श्रम आवश्यक है। यह इसलिए नहीं कि शरीर स्वस्थ रहे, बल्कि इसलिए कि शरीर जीवित रहे। शरीर को चालू रखने के लिए अपने परिश्रम से पदार्थों को उत्पन्न करना होगा। दूसरे ने जो हमारे लिए मेहनत की है, केवल उसके सहारे जीवित रहने का अधिकार अब नया समाज नहीं मानेगा। बाप—दादों के पुश्तैनी पैसों से जीवित रहने की बुरी सुस्त आदत हमने हज़ारों वर्षो से सीख ली है। उसने न केवल हमारे शरीर को निकम्मा बनाया है, बल्कि हमारे मन को बुरे लालच का गुलाम बना दिया है, किसी भलेमानस के लिए यह लज्जा की बात होनी चाहिए कि वह उससे अपना पेट भरे जिसके लिए उसने स्वयं परिश्रम

नहीं किया है। श्रम के आवश्यक नियम के अभाव में हम मजदूर, मालिक, गरीब अमीर, होत–अनहोत, सेठ–असामी के चुभते हुए भेदों के शिकार हो गए है। इनसे अपना पिण्ड छुड़ाना मुश्किल हो रहा है। यदि हम सभी आदिम मानव की तरह आवश्यक कायिक श्रम से उपार्जित भाग को ही ईमानदारी से अपना मानते होते तो दूसरों का पसीना बहा कर अमीर बनने का मानसिक कोढ़ हमें न हुआ होता। अमीरी या धन का एक जगह संचय समाज का फील पाँव रोग है। धन जब एक जगह संचित होता है तो दूसरी जगह अभाव उत्पन्न करता है। श्रम की नींव पर बनने वाला जीवन भीतर से संतोष देता है, आर्थिक बँटवारे को न्यायपूर्ण बनाता है, ईर्ष्या, लोभ, बेईमानी, काहिली जैसी बुराईयों से लोगों को बचाता है।

(i) जीवन में श्रम क्यों आवश्यक है?

(ii) आज समाज में गरीब, अमीर, मजदूर मालिक का भेद–भाव क्यों फैला हुआ है।?

(iii) ''मानसिक कोढ़'' और ''समाज का फील पाँव रोग'' से लेखक का क्या आशय है?

(iv) नीचे लिखे शब्दों और मुहावरों के अर्थ स्पष्ट कीजिए और उन का प्रयोग अपने वाक्यों में इस प्रकार कीजिए कि अर्थ स्पष्ट हो जाए।

शब्द – उपार्जित, कायिक

मुहावरे – पसीना बहाना, पिण्ड छुड़ाना

(v) उपर्युक्त गद्यांश का सार लगभग एक तिहाई शब्दों में लिखिए तथा उपयुक्त शीर्षक भी लिखिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60-80 शब्दों में लिखिए–

(क) उपन्यास और कहानी में अन्तर स्पष्ट करते हुए प्रेमचन्द के दो उपन्यासों और दो कहानियों का नामोल्लेख कीजिए।

(ख) 'एक था पेड़ और एक था ठूँठ' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि पेड़ जैसे लोगों और ठूँठ जैसे लोगों के व्यक्तित्व में क्या अंतर होता है। आपने भी इन दोनों तरह के लोगों को देखा होगा, उनके विषय में अपने अनुभव लिखिए।

(ग) कल्पना कीजिए कि आप एक कवि है और समाज सेवी भी। आपके पड़ोसी जिले में बाढ़ आती है जिससे जान–माल का बहुत बड़ा नुकसान होता है। ऐसी स्थिति में आप अपनी किस भूमिका को अधिक महत्व देंगे? 'दो कलाकार' पाठ को ध्यान में रखते हुए तर्क सहित उत्तर लिखिए।

4. किसी एक विषय पर अनुच्छेद लिखिए–

(क) भारत के आर्थिक विकास में क षि का महत्व

(ख) विश्व को ओबामा से आशाएँ

(ग) संयुक्त परिवारः हानि और लाभ

(घ) आतंकवादः विकास में सबसे बड़ी बाधा

5. निम्नलिखित बिंदुओं को ध्यान में रखते हुए निर्देशानुसार एक आकर्षक परियोजना तैयार कीजिएः जहाँ संभव हो वहाँ तालिका अथवा व क्षारेख भी बनाएँ।

   1. अलंकार और अलंकार के भेद–पाँच अलंकार और फिल्मी गीतों से उनके उदाहरण
   2. हमारे मन के तीन भाव– कविता से प्रत्येक के उदाहरण
   3. हमारे देश की पाँच प्रमुख ऋतुएँ– ऐसी काव्य–पंक्तियाँ जिनमें इन ऋतुओं का उल्लेख हो
   4. ब्रज, अवधी, मैथिली और खड़ी बोली के क्षेत्र और कविता का एक–एक उदाहरण।
   5. क्रिया और क्रिया के भेद–प्रत्येक के पाँच–पाँच उदाहरण

अथवा

चुनाव आयोग द्वारा घोषित भारत के राज्यों में विभिन्न आयु वर्ग के मतदाताओं की संख्या बताने वाला एक चार्ट बनाइए। इससे सम्बन्धित पत्र–पत्रिकाओं में से सूचनाओं, आरेख, ग्राफ आदि का संकलन भी कीजिए। एकत्रित सामग्री पर आधारित एक प्रतिवेदन तैयार कीजिए।

हिंदी

(301)

मूल्यांकन पत्र - II

(पाठ 13 से 25 तक)

कुल अंक : 25

टिप्पणी:

(i) सभी प्रश्नों के उत्तर देने अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं।

(ii) उत्तर पुस्तिका के प्रथम पृष्ठ पर ऊपर की ओर अपना नाम, अनुक्रमांक, अध्ययन केंद्र का नाम, विषय आदि स्पष्ट शब्दों में लिखिए।

1. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर लगभग 60-80 शब्दों में लिखिए:

(क) महादेवी वर्मा द्वारा रचित ''मैं नीर भरी दुख की बदली'' कविता के आधार पर इसे सिद्ध कीजिए कि इस संसार में कोई वस्तु चिरस्थायी नहीं है। मानव जीवन और आस–पास की स्थितियों से दो उदाहरण देते हुए एक अनुच्छेद लिखिए।

(ख) आप ''अनुराधा'' की पात्रा अनुराधा के संघर्ष को कहाँ तक उचित मानते हैं? अपने परिवार अथवा समाज में संघर्षरत किसी व्यक्ति अथवा महिला की चर्चा करते हुए अनुराधा के संघर्ष की तुलना कीजिए।

(ग) ''पीढ़ियाँ और गिट्टियाँ' पाठ में से व्यंग्यात्मक भाषा के दस नमूने चुनकर लिखिए और उनका अर्थ स्पष्ट कीजिए।

2. (क) निम्नलिखित पंक्तियों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए:

जिसे जाहिल, मूर्ख, परतंत्र और निर्भर बनाकर रखना है उसके हाथ में किताब नही दी जाएगी। उसे इतनी फुरसत नहीं दी जाएगी कि कुछ पढ़े या आपस में संवाद स्थापित करे। किताब या तो उसकी जिंदगी से बिल्कुल ही निकाल दी जाएगी या फिर इतनी दुर्लभ और पिलपिली कर दी जाएगी कि उसके होने या न होने से फर्क न पड़े। कागज, छपाई, डाकघर के हथियारों से उसका एक–एक पंख काट डाला जाएगा ताकि सीताहरण के पवित्र अभियान में यह जटायु बाधा बनकर न खड़ा हो।

(ख) निम्नलिखित कविता के अंश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

आँधियाँ नहीं जिसमें उमंग भरती है
छातियाँ जहाँ संगीनों से डरती हैं।
शोणित के बदले जहाँ अश्रु बहता है।
वह देश कभी स्वाधीन नहीं रहता है।
पकड़ो अयाल, अंधड़ पर उछल चढ़ो रे।
किरिंचों पर अपने तन का चाम मढ़ो रे।

(i) कवि के विचार से वह कौन–सा देश हो सकता है जो स्वाधीन नहीं रहता?

(ii) 'छातियाँ जहाँ संगीनों से डरती हैं' पंक्ति में छातियाँ शब्द का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

(iii) अंतिम दो पंक्तियों का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

(iv) उपर्युक्त काव्य पंक्तियाँ देश की जनता को क्या संदेश देती हैं?

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर लगभग 60-80 शब्दों में लिखिएः

(क) कुटज पाठ के आधार पर ''जीवन जीना भी एक कला है।'' कथन पर टिप्पणी लिखिए। सामान्य मानव के जीवन से जुड़े दो उदाहरण देते हुए एक अनुच्छेद लिखिए।

(ख) आपके घर के पास एक कूड़े का ढेर है। उसके रहते कई प्रकार की बीमारियों का भय बना हुआ है। इसकी चर्चा करते हुए नगर निगम स्वास्थ्य अधिकारी को एक पत्र लिखिए। भविष्य में कहीं पर भी कूड़े का ढेर न बनने पाए, तत्संबंधी सुझाव देते हुए नगर निगम अधिकारी द्वारा आवश्यक कदम उठाने का निवेदन भी कीजिए।

4. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 150 शब्दों में भाव पल्लवन कीजिए–

(i) पराधीन सपनेहूँ सुख नाहीं।

(ii) करत–करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान

5. **परियोजना कार्य**

देश–प्रेम संबंधी दस कविताएँ एकत्रित कीजिए। प्रत्येक कविता की पाँच–पाँच विशेषताएँ लिखते हुए उनके कवियों का चित्र सहित परिचय फाइल में क्रम से लगाइए।

हिंदी

(301)

मूल्यांकन पत्र - III

(पाठ 26 से 37 तक)

कुल अंक : 25

टिप्पणी:

(i) सभी प्रश्नों के उत्तर देने अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं।

(ii) उत्तर पुस्तिका के प्रथम पृष्ठ पर ऊपर की ओर अपना नाम, अनुक्रमांक, अध्ययन केंद्र का नाम, विषय आदि स्पष्ट शब्दों में लिखिए।

1. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर लगभग 60-80 शब्दों में लिखिए:

(क) 'क्रोध शांति भंग करने वाला मनोविकार है।'—इस कथन का अर्थ स्पष्ट कीजिए। ऐसी किसी घटना का उल्लेख कीजिए जब आपको भी क्रोध आया हो ओर आपकी मानसिक शांति भंग हुई हो। ऐसी स्थिति में आपने समाधान हेतु क्या किया? इस स्थिति से बचने के अन्य पाँच संभावित उपाय भी लिखिए।

(ख) ''आखिरी चट्टान'' यात्रा वर्णन की कोई पाँच विशेषताएँ सोदाहरण लिखिए। आपने जो यात्रा की हो उस पर दो अनुच्छेद लिखिए।

(ग) ''संकल्प ही तो चेतना का वह गुण है जिसमें मन की द ढ़ता, इच्छा, विचार, चिंतन, विमर्श विद्यमान रहते हैं।' – इस कथन का अर्थ स्पष्ट कीजिए। आपके व्यक्तिव को विकसित करने के लिए संकल्प की चेतना क्या भूमिका निभा सकती है, यह भी लिखिए।

2. (क) निम्नलिखित सूचना में सन् 1993-94 में भारत के कुछ राज्यों में पंचायतों में महिलाओं की संख्या का प्रतिशत दिया जा रहा है। इसके आधार पर एक बार चित्र बनाइए।

राज्य	महिलाओं की संख्या/ प्रतिशत में
त्रिपुरा	33.3
आंध्र प्रदेश	26.00
महाराष्ट्र	21.04
केरल	10.00
बिहार	20.00
पंजाब	11.28
राजस्थान	18.00

(3) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 100-150 शब्दों में लिखिए:

(क) ''विराटा की पद्मिनी'' में राजमहलों में होने वाले षड्यंत्रों की एक झलक देखने की मिलती है।' – इस कथन को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। आजकल टी.वी पर दिखाए जाने वाले

धारावाहिकों में से किसी एक धारावाहिक का उदाहरण देते हुए उसमें दिखाए जानेवाले इस प्रकार के षड्यंत्र पर टिप्पणी लिखिए।

(ख) 'विराटा की पद्मिनी' उपन्यास में नदियों, पहाड़ियों, जंगलों आदि का चित्र सजीव बन पड़ा है'। –इस कथन को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। आपने भी अपने आस–पास खेतों, पार्कों आदि के प्राक तिक सौंदर्य को देखा होगा। उनमें से किसी एक पर एक अनुच्छेद लिखिए।

4. किसी एक विषय पर लगभग 250 शब्दों में एक निबंध लिखिए।

   (i) हिंदी के समाचार–पत्रों में अंग्रेजी का बढ़ता प्रभाव

   (ii) आरक्षणः हानि और लाभ

5. **परियोजना कार्य**

(क) संचार–क्षेत्र में किन उपकरणों से क्रांति आई है? किन्हीं तीन को चार्ट पर प्रदर्शित कीजिए और इनके उपयोग एवं दुरूपयोग पर सामग्री एकत्रित करते हुए अपने निष्कर्ष लिखिए।

अथवा

(ख) समय–समय पर विभिन्न पत्र–पत्रिकाओं में प्रकाशित मूल्य–व द्धि दर से संबंधित ग्राफ, संपादकीय तथा अन्य लेख एकत्रित कर उन्हें फाइल में लगाइए और मूल्य–व द्धि दर के उतार–चढ़ाव पर एक टिप्पणी लिखिए।